प्रार्थना

ओ करूणा के सागर, हम सब पे दया करना।
अमृत रूपी सद्ज्ञान, सद्गुण से हमें भरना।

सत्य का प्रकाश भरो, असत्य का नाश करो।
नन्हें–नन्हें फूलों में, नेकी की सुबास भरो।

सब शोकमय जग के, ओ ईश्वर दुख हरना।
जीवन के सूखे वन में, सुख की वर्षा करना।

अज्ञान के अंधियारे में, सद्ज्ञान उजाला करो।
हम बिन घी के दीपों में, तुम ज्ञान घृत भरदो।

शक्ति से विहीन हुए, हम तेरी करे वंदना।
तुम पुष्प हो हम भौंरे, हमें बल रस से भरना।

ओ करूणा के सागर, हम सब पे दया करना।
अमृत रूपी सद्ज्ञान, सद्गुण से हमें भरना।

Prepared By : - Ravi Verma
email me on :
myselfraviverma@gmail.com